Vagisha International Multidisciplinary Research Journal
(International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal)
Volume-01, Issue-03,June-2026| ISSN: 3139-2776 (online)
Available online at:https://vimrj.com/
DOI: https://doi.org/10.67185/vimrj.v1i3.24

उच्च शिक्षा के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन

वीर पाल[1], डॉ. सुरेन्द्र प्रताप[2]

शोधार्थी, असि.प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, सी. एस. एन. पी. जी. कॉलेज, हरदोई, उत्तर प्रदेश

शोध निर्देशक, असि. प्रोफेसर, बी. एड. विभाग**,** महाराजा प्रताप राजकीय पी.जी. कॉलेज, हरदोई, उत्तर प्रदेश

Email ID- veergangwar66@gmail.com

Received: 07 May 2026 | **Accepted:** 17 May 2026 | **Published:** 25 June 2026

सारांश

उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र के ज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार का प्रमुख आधार होती है। उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों की प्रभावशीलता विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि, शोध गुणवत्ता तथा संस्थागत उत्कृष्टता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उच्च शिक्षा के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में शासकीय एवं निजी महाविद्यालयोंधविश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता की तुलना की गई। अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। 400 शिक्षकों का चयन स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि से किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि शिक्षक प्रभावशीलता के समग्र स्तर में दोनों समूहों के बीच सार्थक अंतर पाया गया तथा निजी संस्थानों के शिक्षकों का औसत शिक्षक प्रभावशीलता स्तर अपेक्षाकृत अधिक था। अध्ययन यह भी इंगित करता है कि शिक्षक प्रशिक्षण, शोध सहभागिता, डिजिटल दक्षता एवं संस्थागत सहयोग शिक्षक प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं। उच्च शिक्षा में शिक्षक प्रभावशीलता का मूल्यांकन केवल छात्र परिणामों से नहीं, बल्कि शिक्षण प्रक्रिया, कक्षा व्यवहार, शोध एवं व्यावसायिक विकास जैसे बहुआयामी पक्षों से किया जाना चाहिए।

मुख्य शब्द : उच्च शिक्षा, शिक्षक प्रभावशीलता, शिक्षक गुणवत्ता, विश्वविद्यालय शिक्षक, तुलनात्मक अध्ययन।

प्रस्तावना

उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र के ज्ञान–आधारित समाज के निर्माण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने का प्रमुख माध्यम है। किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान की गुणवत्ता का सबसे महत्त्वपूर्ण निर्धारक उसके शिक्षक होते हैं। शिक्षक केवल विषय–वस्तु का संप्रेषण करने वाले व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, अनुसंधान अभिरुचि, नैतिक मूल्यों तथा व्यावसायिक दक्षताओं का भी विकास करते हैं। इसलिए उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का सीधा संबंध शिक्षक प्रभावशीलता से है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ने उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, बहुविषयक अधिगम, अनुसंधान, नवाचार तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग पर विशेष बल दिया है। इसके परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा के शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विद्यार्थी–केंद्रित शिक्षण, परिणाम–आधारित शिक्षा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, डव्ब्, ई–लर्निंग तथा मिश्रित अधिगम जैसी आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रभावी उपयोग करें। वर्तमान डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका पारंपरिक ज्ञान प्रदाता से आगे बढ़कर अधिगम–सुविधादाता, मार्गदर्शक, शोध–प्रेरक तथा नवाचार के संवाहक के रूप में विकसित हुई है।

शिक्षक प्रभावशीलता एक बहुआयामी अवधारणा है, जिसमें विषय–ज्ञान, शिक्षण कौशल, कक्षा प्रबंधन, संप्रेषण क्षमता, मूल्यांकन दक्षता, विद्यार्थियों को प्रेरित करने की क्षमता, अनुसंधान अभिरुचि तथा व्यावसायिक उत्तरदायित्व जैसे अनेक आयाम सम्मिलित हैं। प्रभावी शिक्षक विद्यार्थियों में केवल शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, समस्या–समाधान क्षमता, सहयोगात्मक अधिगम तथा जीवनोपयोगी कौशलों का भी विकास करते हैं। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों में सरकारी एवं निजी क्षेत्रों का तीव्र विस्तार हुआ है, जिसके कारण कार्य–परिस्थितियों, संसाधनों, प्रशिक्षण अवसरों तथा उत्तरदायित्वों में पर्याप्त विविधता देखने को मिलती है। इसी प्रकार शिक्षकों के लिंग, अनुभव तथा शैक्षिक योग्यता के आधार पर भी उनकी कार्यशैली एवं प्रभावशीलता में भिन्नता हो सकती है। अतः इन आधारों पर शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

संबंधित साहित्य का संक्षिप्त सर्वेक्षण

कौर एवं शर्मा (2025) ने भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र में शिक्षक प्रभावशीलता के पूर्ववर्ती कारकों का अध्ययन किया। अध्ययन में विशेष रूप से भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्म–प्रभावकारिता, सक्रिय व्यक्तित्व तथा व्यावसायिक प्रतिबद्धता का शिक्षक प्रभावशीलता पर प्रभाव ज्ञात किया गया। अध्ययन में

संरचनात्मक समीकरण मॉडल का उपयोग किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं आत्म–प्रभावकारिता शिक्षक प्रभावशीलता के प्रमुख निर्धारक हैं। जिन शिक्षकों में आत्म–विश्वास एवं भावनात्मक संतुलन अधिक था, उनकी शिक्षक प्रभावशीलता भी अधिक पाई गई। अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ कि आत्म–प्रभावकारिता भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य मध्यस्थ की भूमिका निभाती है।

UNESCO (2024) द्वारा प्रकाशित वैश्विक शिक्षक रिपोर्ट में विश्वभर के उच्च शिक्षा शिक्षकों की व्यावसायिक चुनौतियों, प्रशिक्षण आवश्यकताओं तथा शिक्षण गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए शिक्षकों का सतत् व्यावसायिक विकास, डिजिटल दक्षता, समावेशी शिक्षण, अनुसंधान क्षमता तथा नवाचार–आधारित शिक्षण पद्धतियाँ अत्यंत आवश्यक हैं। रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह अधिगम का मार्गदर्शक, नवाचार का प्रेरक तथा आजीवन अधिगम का समर्थक बन गया है।

OECD (2024) ने शिक्षक व्यावसायिक अधिगम पर प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में विभिन्न देशों की शिक्षक प्रशिक्षण प्रणालियों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि सहयोगात्मक अधिगम, सहकर्मी अधिगम, डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग, नियमित प्रशिक्षण एवं नेतृत्व आधारित सहयोग शिक्षक प्रभावशीलता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं।

सिंह एवं वर्मा (2023) ने विश्वविद्यालय शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता एवं कार्य–संतोष के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को सम्मिलित किया गया तथा सहसंबंधात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि कार्य–संतोष एवं शिक्षक प्रभावशीलता के मध्य धनात्मक एवं सार्थक संबंध विद्यमान है। जिन शिक्षकों को संस्थागत सहयोग, पदोन्नति के अवसर, अनुसंधान सुविधाएँ तथा सकारात्मक कार्य वातावरण प्राप्त था, उनकी शिक्षक प्रभावशीलता भी अधिक पाई गई। अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया कि शिक्षक प्रभावशीलता में वृद्धि के लिए केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक कार्य वातावरण भी आवश्यक है।

मास्ट्रोकोउकोउ एवं अन्य (2022) ने ''यूनिवर्सिटी में टीचिंग को फिर से समझनाः हायर एजुकेशन में टीचर की प्रभावशीलता की एक स्कोपिंग समीक्षा'' शीर्षक से उच्च शिक्षा में शिक्षक प्रभावशीलता पर उपलब्ध शोधों का व्यापक समीक्षा अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न देशों में शिक्षक प्रभावशीलता से संबंधित अवधारणाओं, आयामों तथा प्रभावकारी कारकों का विश्लेषण करना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि प्रभावी शिक्षक केवल विषय–विशेषज्ञ नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थी–केंद्रित

शिक्षण, सक्रिय अधिगम, सहयोगात्मक अधिगम, समालोचनात्मक चिंतन तथा सतत् प्रतिपुष्टि जैसी आधुनिक शिक्षण रणनीतियों का प्रभावी उपयोग करते हैं।

जैदी, खान एवं फातिमा (2022) ने दिल्ली स्थित बी.एड. संस्थानों में शिक्षक–शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य सरकारी एवं निजी शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षक–शिक्षकों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि संस्थान के प्रकार, उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों, कार्य–संस्कृति तथा प्रशासनिक सहयोग के आधार पर शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। सरकारी संस्थानों के शिक्षक–शिक्षकों में विषय–दक्षता एवं शिक्षण अनुभव अपेक्षाकृत अधिक था, जबकि निजी संस्थानों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा नवीन शिक्षण तकनीकों का उपयोग अधिक देखा गया।

समस्या कथन

"उच्च शिक्षा के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध में प्रयुक्त तकनिकी शब्दों की परिभाषा

- **उच्च शिक्षा**

  प्रस्तुत अध्ययन में उच्च शिक्षा से अभिप्राय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संचालित स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा से है।

- **शिक्षक प्रभावशीलता**

  प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता से अभिप्राय शिक्षक प्रभावशीलता मापनी पर प्राप्त कुल अंकों से है। उच्च अंक अधिक शिक्षक प्रभावशीलता तथा निम्न अंक कम शिक्षक प्रभावशीलता के सूचक होंगे।

शोध के उद्देश्य

1. उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शून्य परिकल्पना

$H_0$1. उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$H_0$2. उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण का प्रयोग किया गया। वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उद्देश्य किसी समूह अथवा समुदाय की वर्तमान स्थिति, विशेषताओं, व्यवहारों एवं प्रवृत्तियों का वस्तुनिष्ठ अध्ययन करना होता है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या में हरदोई जिले के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ सम्मिलित हैं। इसमें वे सभी शिक्षक शामिल किए गए हैं जो स्नातक तथा परास्नातक स्तर पर अध्यापन कार्य कर रहे हैं।

नमूना

वर्तमान अध्ययन में प्रतिदर्श के रूप में कुल 400 शिक्षकों का चयन किया गया है। इस प्रतिदर्श में 213 पुरुष शिक्षक एवं 187 महिला शिक्षिकाएँ सम्मिलित हैं। प्रतिदर्श के आकार का निर्धारण इस उद्देश्य से किया गया है कि अध्ययन में लिंग के आधार पर तुलना संभव हो सके तथा प्रत्येक समूह का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

अध्ययन का उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षकों की प्रभावशीलता का मापन करने के लिए डॉ. शल्लू पुरी एवं प्रो. एस. सी. गाखर द्वारा निर्मित मापनी का उपयोग किया गया। यह एक मानकीकृत मनोवैज्ञानिक मापनी है, जिसका उद्देश्य शिक्षक की शिक्षण दक्षता एवं व्यावसायिक प्रभावशीलता का वस्तुनिष्ठ आकलन करना है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

अध्ययन में निम्नलिखित सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया–

1. माध्य

2. मानक विचलन
3. स्वतंत्र टी–परीक्षण

आंकड़ों का विश्लेषण

उद्देश्य 1. उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

$H_0 1$ उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 1. उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का माध्य, मानक विचलन एवं टी–मान :

लिंग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	स्वतंत्रता मात्रा	टी–मान	टिप्पणी
महिला	187	243.86	42.384	398	4.354	0.05 स्तर पर सार्थक अंतर है।
पुरुष	213	221.88	56.451			

उपरोक्त तालिका 1. में उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों के माध्य अंकों की तुलना प्रस्तुत की गई है। महिला शिक्षकों की संख्या 187 तथा पुरुष शिक्षकों की संख्या 213 है। महिला शिक्षकों का माध्य 243.86 एवं मानक विचलन 42.384 प्राप्त हुआ, जबकि पुरुष शिक्षकों का माध्य 221. 451 तथा मानक विचलन 56.451 प्राप्त हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि महिला शिक्षकों का माध्यांक पुरुष शिक्षकों की अपेक्षा कुछ अधिक है। दोनों समूहों के मध्य अंतर की सार्थकता ज्ञात करने के लिए 'टी'–परीक्षण का प्रयोग किया गया। स्वतंत्रता मात्रा 398 पर प्राप्त टी–मान 4.354 प्राप्त हुआ है। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर के आवश्यक मान 1.96 से अधिक है। अतः उच्च शिक्षा के महिला एवं पुरुष शिक्षकों के प्राप्तांकों के मध्य पाया गया अंतर सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक है।

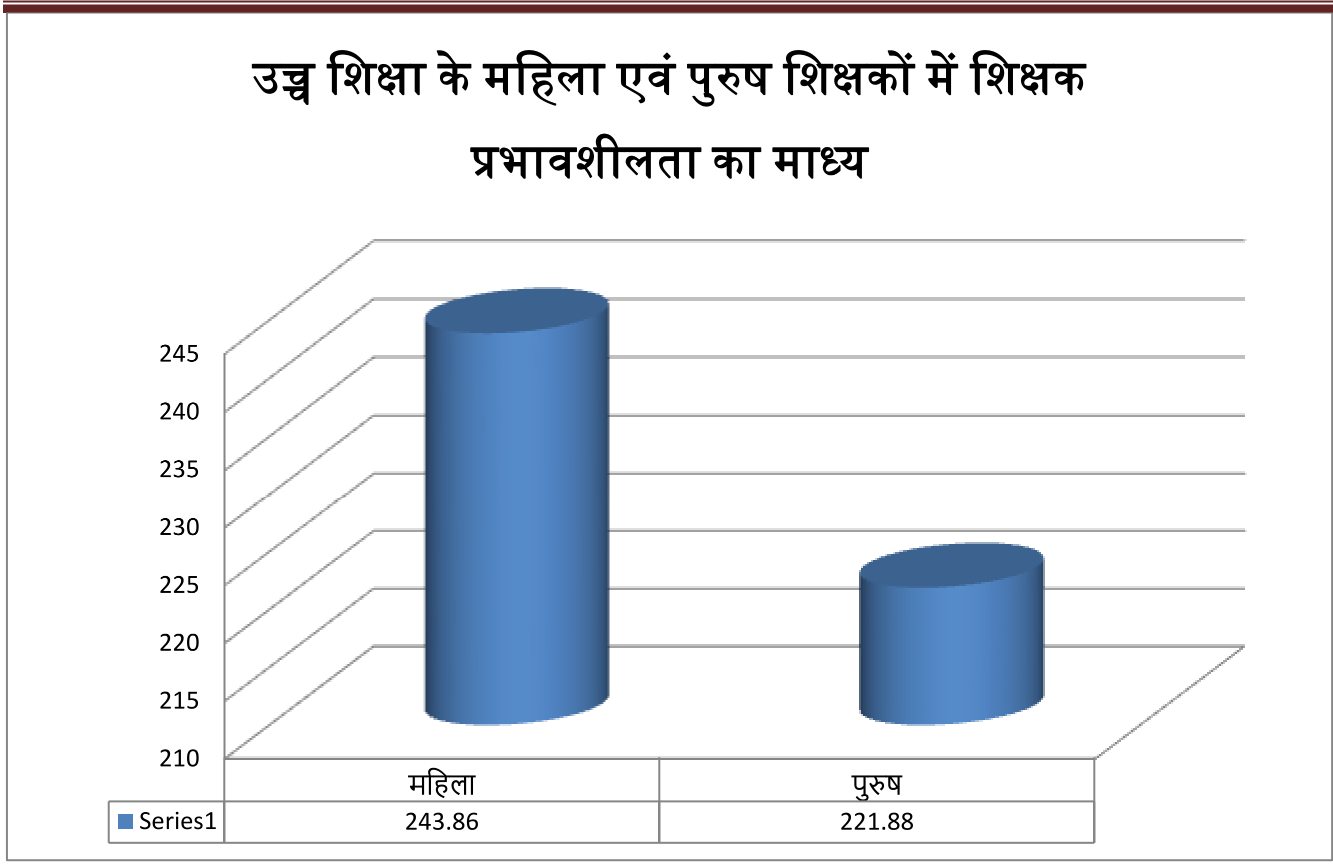

उद्देश्य 2. उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

$H_0$2. उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 4.9 उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का माध्य, मानक विचलन एवं टी–मान :

क्षेत्र	संख्या	माध्य	मानक विचलन	स्वतंत्रता मात्रा	टी–मान	टिप्पणी
शहरी	210	227.31	55.521	398	1.985	0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नहीं है।
ग्रामीण	190	237.51	46.187			

उपरोक्त तालिका 2. में उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों के माध्य अंकों की तुलना प्रस्तुत की गई है। शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की संख्या 210 तथा ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की

संख्या 190 है। शहरी क्षेत्र के शिक्षकों का माध्य 227.31 एवं मानक विचलन 55.521 प्राप्त हुआ, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों का माध्य 237.51 तथा मानक विचलन 46.187 प्राप्त हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र के शिक्षकों का माध्यांक ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की अपेक्षा कुछ कम है। दोनों समूहों के मध्य अंतर की सार्थकता ज्ञात करने के लिए 'टी'–परीक्षण का प्रयोग किया गया। स्वतंत्रता मात्रा 398 पर प्राप्त टी–मान 1.985 प्राप्त हुआ है। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर के आवश्यक मान 1.96 से अधिक है। अतः उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों के प्राप्तांकों के मध्य पाया गया अंतर सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अंतर है।

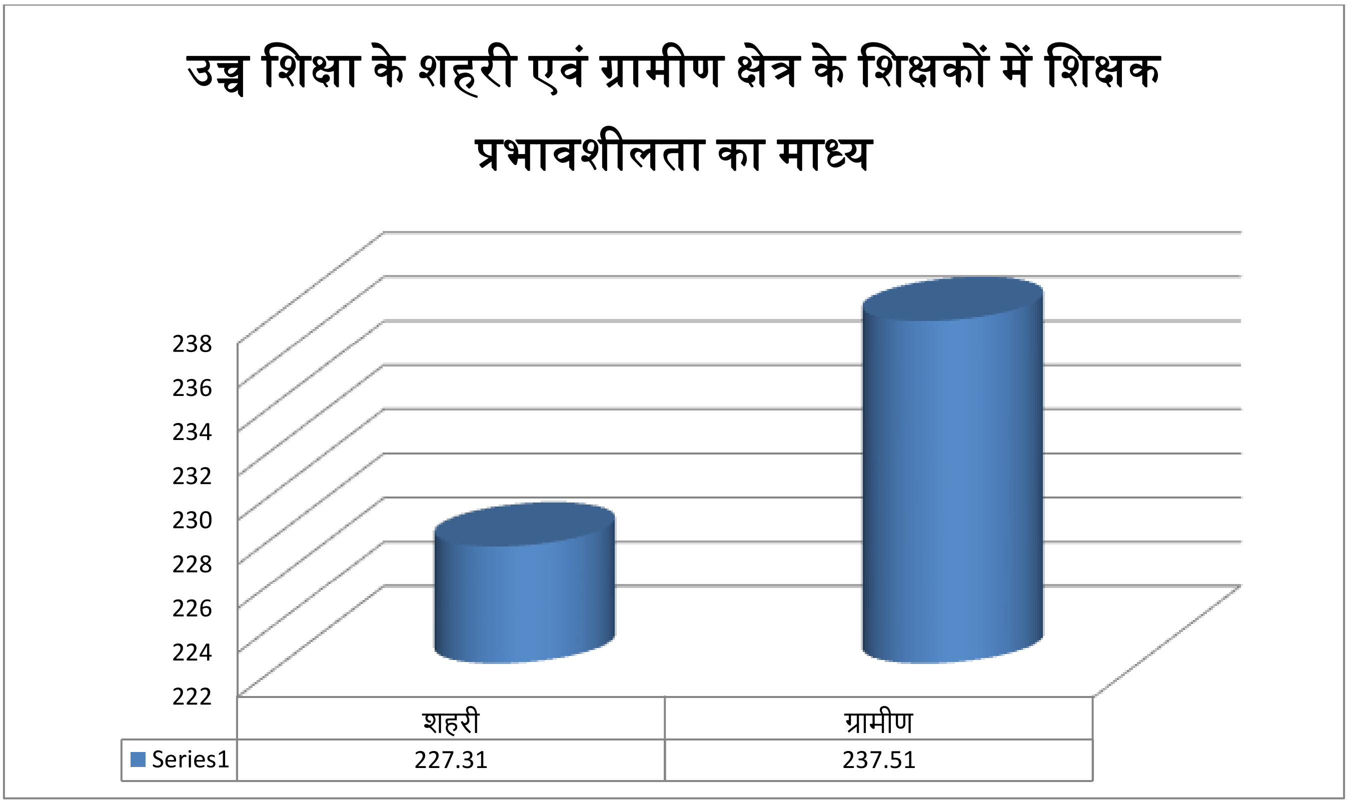

निष्कर्ष

1. उच्च शिक्षा के महिला शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता पुरुष शिक्षकों की तुलना में अधिक पायी गयी है।
2. उच्च शिक्षा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता एक सामान पायी गयी है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Aggarwal, J. C. (2019). *Teacher and education in a developing society*. Vikas Publishing House.

2. Best, J. W., & Kahn, J. V. (2018). *Research in education* (10th ed.). Pearson Education.
3. Garrett, H. E. (2016). *Statistics in psychology and education*. Paragon International Publishers.
4. Kaur, D., & Sharma, H. (2025). Investigation of antecedents to teacher effectiveness in higher education sector in India. *Journal of Education and Learning, 19*(4), 2012–2023.
5. Kumar, R., & Mishra, S. (2021). Digital teaching competency and teacher effectiveness among university teachers. *Journal of Educational Technology Research, 15*(2), 45–58.
6. Mangal, S. K. (2019). *Advanced educational psychology* (2nd ed.). PHI Learning.
7. Mastrokoukou, S., Perikos, I., Grammatikopoulou, A., & Hatzilygeroudis, I. (2022). Rediscovering teaching in university: A scoping review of teacher effectiveness in higher education. *Frontiers in Education, 7*, Article 861458.
8. National Education Policy. (2020). *National Education Policy 2020*. Ministry of Education, Government of India.
9. NCERT. (2023). *Learning outcomes at the higher education level: Guidelines for quality teaching*. National Council of Educational Research and Training.
10. OECD. (2024). *Effective professional learning for teachers: OECD education policy perspectives*. OECD Publishing.
11. Pandey, K. P. (2018). *Educational research methodology*. Vinod Pustak Mandir.
12. Sharma, P., & Gupta, R. (2022). A comparative study of teacher effectiveness among government and private college teachers. *Indian Journal of Educational Studies, 14*(2), 75–88.
13. Singh, A. K. (2017). *Tests, measurements and research methods in behavioural sciences*. Bharati Bhawan.
14. Singh, A., & Verma, R. (2023). Teacher effectiveness and job satisfaction among university teachers: A correlational study. *Journal of Higher Education Research, 18*(1), 62–74.

15. UGC. (2023). *Quality mandate for higher education institutions*. University Grants Commission.
16. UNESCO. (2024). *Global education monitoring report 2024: Leadership in education*. UNESCO Publishing.
17. Zaidi, R. F., Khan, W. A., & Fatima, W. (2022). A comparative study of teacher educators' teaching effectiveness in B.Ed. institutions of Delhi. *Academicia Globe: Inderscience Research*, *3*(5), 120–128.